Rayat Shikshan Santha's

D.P.Bhosale College, Koregaon

Dept. of Hindi

B.A. III Course outcomes

Course name	Course Outcomes
B.A. -III Paper VII & XII विधा विशेष का अध्ययन	1. उपन्यास और नाटक के तात्विक अध्ययन से छात्र परिचित हुए। 2. छात्र नाटककार कुसुम कुमार और उपन्यासकार चंद्रकांता के व्यक्तित्व और कृतित्व से परिचित हुए। 3. छात्रों में साहित्यिक मूल्यांकन करने की क्षमता का विकास हुआ। 4. औपन्यासिक रचना के आस्वादन और समीक्षण की क्षमता का विकास हुआ। 5. उपन्यास और नाटक की प्रासंगिकता की समझ छात्रों में विकसित की गयी।
B.A. -III Paper VIII & XIII साहित्यशास्त्र	1. छात्रों में साहित्य निर्मिती की प्रक्रिया का विकास हुआ। 2. काव्य के विभिन्न अंगों का परिचय हुआ। 3. छात्रों में साहित्य समीक्षा की दृष्टि विकसित हुई। 4. भारतीय तथा पाश्चात्य समीक्षा सिद्धांतों का प्रयोग करने में सक्षम हुए। 5. छात्रों को अलंकार और छंदों की पहचान हुई।
B.A. -III Paper IX & XIV हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 2000 तक)	1. छात्र हिंदी साहित्य के इतिहास से परिचित हुए। 2. हिंदी के आदिकालीन साहित्य से परिचित हुए। 3. हिंदी की भक्तिकालीन विचारधारा से परिचित हुए। 4. हिंदी की रीतिकालीन विचारधारा से परिचित हुए। 5. हिंदी की आधुनिक विधाओं के उद्भव और विकास से परिचित हुए।
B.A. -III Paper X & XV प्रयोजनमूलक हिंदी	1. छात्रों में हिन्दी में कार्य करने की क्षमता का विकास हुआ। 2. दैनिक व्यवहार में प्रयुक्त अँग्रेजी शब्दों के पर्यायवाची हिंदी रूपों से परिचित हुए। 3. विभिन्न संदर्भ स्रोतों से परिचित हुए। 4. जनसंचार के मुद्रित तथा इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से परिचित हुए। 5. वृत्तांत लेखन की कला में माहिर हुए। 6. अनुवाद के स्वरूप, महत्व तथा प्रकारों से परिचित हुए।
B.A. -III Paper XI & XVI भाषाविज्ञान और हिंदी भाषा	1. भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित हुए। 2. भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय प्राप्त हुआ। 3. हिंदी भाषा एवं लिपि के उद्भव और विकास से परिचित हुए। 4. भाषा की मानक वर्तनी के प्रति छात्र जागृत हुए। 5. हिंदी व्याकरण के विभिन्न अंगों से छात्र परिचित हुए।